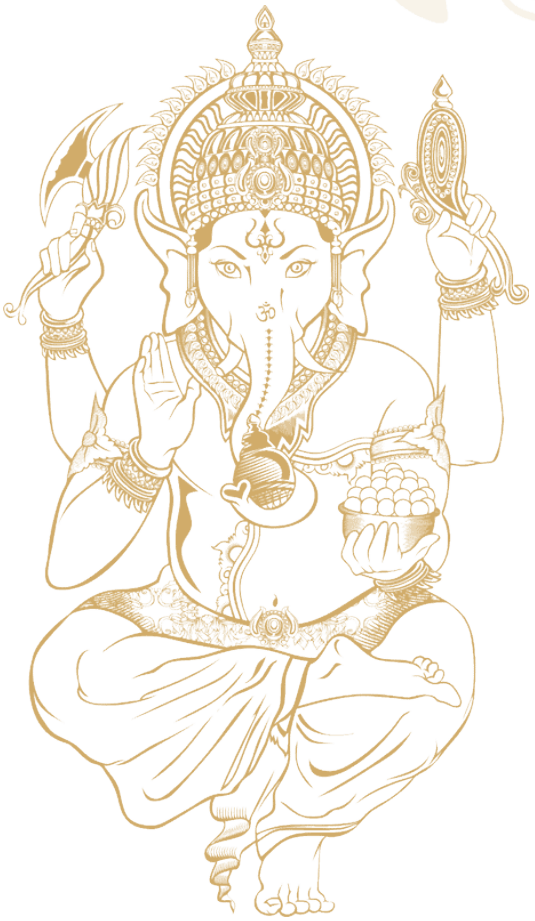

26 Jan 2026

09:06 PM

Mandi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121063503

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/01/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**21:06:00 घंटे**
इष्ट	34:27:01 घटी
स्थान	**Mandi**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:43:00 उत्तर
रेखांश	76:55:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:43:40 घंटे
वेलान्तर	-00:12:29 घंटे
साम्पातिक काल	05:07:26 घंटे
सूर्योदय	07:19:11 घंटे
सूर्यास्त	17:50:54 घंटे
दिनमान	10:31:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	12:28:06 मकर
लग्न के अंश	24:29:36 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शुभ
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लू-लूनेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	24:29:36	309:26:47	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	---
सूर्य			मक	12:28:06	01:00:59	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	18:21:25	14:08:04	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	सम राशि
मंगल		अ	मक	08:19:22	00:46:51	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	उच्च राशि
बुध		अ	मक	15:53:43	01:43:38	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	सम राशि
गुरु	व		मिथु	23:45:40	00:07:17	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	17:14:19	01:15:21	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	मित्र राशि
शनि			मीन	03:54:20	00:05:34	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	15:11:51	00:00:50	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	15:11:51	00:00:50	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:16:04	00:00:27	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:46:29	00:01:31	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:18:11	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	23:41:20	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:23

लग्न-चलित

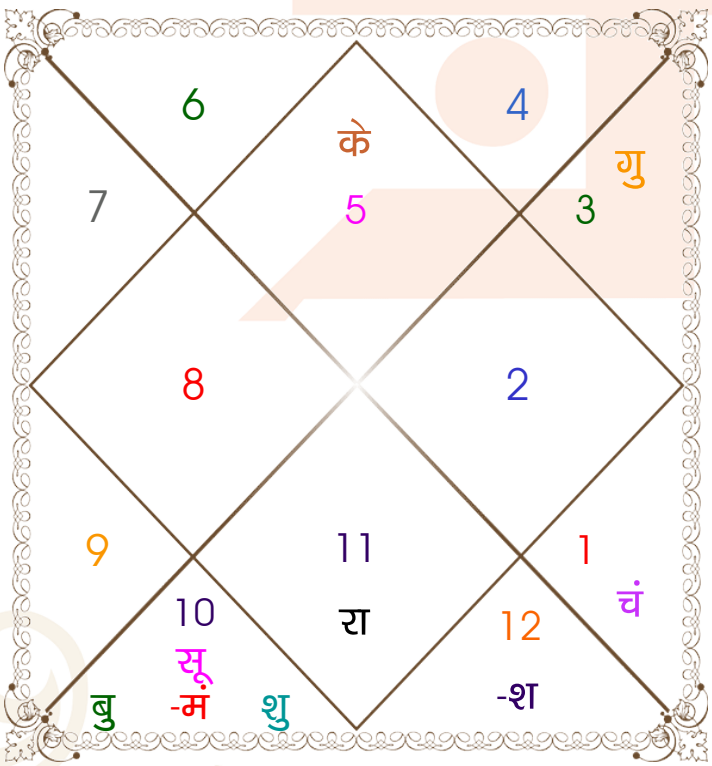

चन्द्र कुंडली

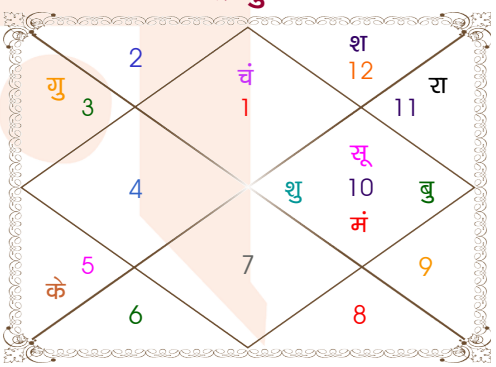

नवमांश कुंडली

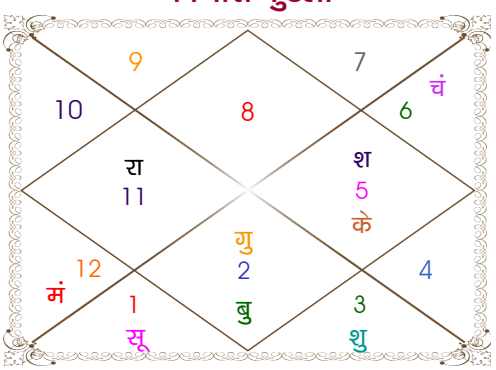

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 12 वर्ष 5 मास 17 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
26/01/2026		15/07/2038		15/07/2044		15/07/2054		15/07/2061	
15/07/2038		15/07/2044		15/07/2054		15/07/2061		15/07/2079	
	00/00/0000	सूर्य	02/11/2038	चंद्र	15/05/2045	मंगल	11/12/2054	राहु	27/03/2064
	00/00/0000	चंद्र	03/05/2039	मंगल	14/12/2045	राहु	30/12/2055	गुरु	21/08/2066
	00/00/0000	मंगल	08/09/2039	राहु	15/06/2047	गुरु	05/12/2056	शनि	27/06/2069
	26/01/2026	राहु	02/08/2040	गुरु	14/10/2048	शनि	13/01/2058	बुध	14/01/2072
राहु	13/09/2028	गुरु	21/05/2041	शनि	15/05/2050	बुध	11/01/2059	केतु	31/01/2073
गुरु	15/05/2031	शनि	03/05/2042	बुध	15/10/2051	केतु	09/06/2059	शुक्र	01/02/2076
शनि	15/07/2034	बुध	10/03/2043	केतु	15/05/2052	शुक्र	08/08/2060	सूर्य	26/12/2076
बुध	15/05/2037	केतु	15/07/2043	शुक्र	13/01/2054	सूर्य	14/12/2060	चंद्र	27/06/2078
केतु	15/07/2038	शुक्र	15/07/2044	सूर्य	15/07/2054	चंद्र	15/07/2061	मंगल	15/07/2079

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
15/07/2079		15/07/2095		16/07/2114		16/07/2131		16/07/2138	
15/07/2095		16/07/2114		16/07/2131		16/07/2138		00/00/0000	
गुरु	02/09/2081	शनि	18/07/2098	बुध	12/12/2116	केतु	12/12/2131	शुक्र	15/11/2141
शनि	15/03/2084	बुध	28/03/2101	केतु	09/12/2117	शुक्र	11/02/2133	सूर्य	15/11/2142
बुध	21/06/2086	केतु	07/05/2102	शुक्र	09/10/2120	सूर्य	18/06/2133	चंद्र	16/07/2144
केतु	28/05/2087	शुक्र	07/07/2105	सूर्य	15/08/2121	चंद्र	18/01/2134	मंगल	15/09/2145
शुक्र	26/01/2090	सूर्य	19/06/2106	चंद्र	15/01/2123	मंगल	16/06/2134	राहु	27/01/2146
सूर्य	14/11/2090	चंद्र	18/01/2108	मंगल	12/01/2124	राहु	04/07/2135		00/00/0000
चंद्र	15/03/2092	मंगल	26/02/2109	राहु	31/07/2126	गुरु	09/06/2136		00/00/0000
मंगल	19/02/2093	राहु	03/01/2112	गुरु	05/11/2128	शनि	19/07/2137		00/00/0000
राहु	15/07/2095	गुरु	16/07/2114	शनि	16/07/2131	बुध	16/07/2138		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 12 वर्ष 5 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगे। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्त्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्त्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरूद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी के निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी पुरूष का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगे। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरू दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकता है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी है।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विध्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रक्खें तथा हानिकारण मद्यपान का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान हैं। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकते हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगे। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करते रहे तो बाद में पश्चात् करना पड़ सकता हैं क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास प्यारी पत्नी, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपकों नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।